भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
18.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3867 का उत्तर

नरकटियागंज-गौनाहा रेल सेवा का विस्तार

3867. श्री सुनील कुमार:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का वाल्मीकिनगर के जनजातीय बहुल क्षेत्र के विकास के लिए नई रेल लाइन बिछाकर नरकटियागंज गौनाहा से बखरी बाजार-हरनाटांड-वाल्मीकिनगर-बाघा लौरिया के रास्ते बेतिया तक रेल सेवा का विस्तार करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है न कि राज्य-वार/जिला-वार/संसदीय-निर्वाचन-क्षेत्र-वार क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य/जिला/संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनों की स्वीकृति भारतीय रेल एक सतत् और गतिशील प्रक्रिया है। रेल परियोजनाएं लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य

जन प्रतिनिधियों द्‌वारा की गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, आदिवासी-बहुल क्षेत्रों सहित सामाजिक-आर्थिक महत्वों आदि के आधार पर स्वीकृत की जाती हैं जो चालू परियोजनाओं के थ्रोफारवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करती हैं।

बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पूर्व मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। लागत, व्यय और परिव्यय सहित रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेलवे-वार ब्यौरा भारतीय रेलवे की वैबसाइट पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध कराया गया है।

गौनाहा पहले से ही नरकटियागंज स्टेशन से जुड़ा हुआ है जो मौजूदा रेल लाइन के माध्यम से बेतिया से जुड़ा हुआ है। हरनाटांड को वाल्मीकिनगर रोड स्टेशन से सेवित है। इस क्षेत्र में रेल संपर्क को और बेहतर बनाने के लिए हाल ही में निम्नलिखित परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लंबाई (कि.मी. में)	लागत (करोड़ रुपये में)
1.	वाल्मीकिनगर-गोरखपुर दोहरीकरण	96	1121
2.	नरकटियागंज-रक्सौल-सीतामढ़ी-दरभंगा और दरभंगा-मुज़फ्फरपुर दोहरीकरण	256	4080

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 79,356 करोड़ रुपये की लागत वाली 5,064 किलोमीटर कुल लंबाई की 55 परियोजनाएं (31 नई लाइनें, 02 आमान परिवर्तन और 22 दोहरीकरण) जिनमें वाल्मीकिनगर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र और आदिवासी बहुल क्षेत्रों में आने वाली परियोजनाएं शामिल हैं, योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं जिसमें से 1194 किलोमीटर कमीशन की जा चुकी है और मार्च 2024 तक 26,983 करोड़ रुपये का व्यय किया जा चुका है। सारांश इस प्रकार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक कुल व्यय (करोड़ रू. में)
नई लाइनें	31	2712	464	13629
आमान परिवर्तन	2	348	288	1520
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	22	2005	442	11834
कुल	55	5064	1194	26983

बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं के लिए परिव्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-2014	1132 करोड़ रु. प्रतिवर्ष
2024-2025	10,033 करोड़ रु. (लगभग 9 गुना)

बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली नई पटरियों को कमीशन करने/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	औसतन कमीशन किए गए नए रेलपथ
2009-14	318 कि.मी	63.6 कि.मी.
2023-24	361 कि.मी.	361 कि.मी. (5 गुना से अधिक)

*****